भा.श्री.अनु.सं.

क्रम सं. 239 सितंबर, 2023

श्री अन्न समाचार पत्र

IIMR
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research
हैदराबाद * सोलापुर * वरंगल

भाकृअनुप—भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद - 500 030, तेलंगाना, भारत

राजस्थान के बाड़मेर में बाजरा हेतु क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास

गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान में 27 सितंबर, 2023 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास ऐतिहासिक एवं एक महत्वपूर्ण यादगार अवसर है। इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्देश्य राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर आदि क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री कैलाश चौधरी, डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव (कृअनुशि विभाग) और महानिदेशक (भाकृअनुप), डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं तथा अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में इस महत्वपूर्ण अनुसंधान केंद्र की आधारशिला रखी।

श्री कैलाश चौधरी, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री ने क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र के शिलान्यास हेतु आगमन के लिए माननीय उपराष्ट्रपति महोदय के प्रति आभार प्रकट किया तथा कहा कि माननीय उपराष्ट्रपति महोदय की उपस्थिति स्वयं ही इस केंद्र के निर्माण का महत्व दर्शा रही है। इस तरह के केंद्र का निर्माण उत्तर भारत, विशेषकर राजस्थान में बहु-प्रतिक्षित था, क्योंकि बाजरे के अंतर्गत अत्यधिक क्षेत्र होने के बावजूद यहां किसानों की सहायता हेतु भारत सरकार की ओर से किसी भी तरह केंद्र उपलब्ध नहीं था। आज श्री नरेन्द्र मोदी जी, माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के अंतर्गत गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान में क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र के रूप में यह सपना साकार होने जा रहा है।

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मिलेट्स महत्वपूर्ण खाद्य फसलों का एक समूह है और उनके गुणों के देखते हुए ही उन्हें "श्री अन्न" नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के ही अथक प्रयासों का परिणाम है कि आज पूरा विश्व श्री अन्न अर्थात मिलेट्स की ओर आकृष्ट हो रहा है और बड़े ही उत्साह व उमंग के साथ अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष 2023 मनाते हुए उनके गुणों के प्रति लोगों को जागरूक कर रहा है। राजस्थान में क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र की स्थापना मिल का पत्थर सिद्ध होगी तथा अन्य किसानों को भी श्री अन्न की खेती की ओर आकर्षित करेगी।

श्री जगदीप धनखड़ जी ने अपने संबोधन में कहा कि आज देश के प्रमुख शुष्क क्षेत्र में कृषक समुदाय के लिए दूरगामी परिणामों के साथ बाजरा तथा अन्य श्री अन्न हेतु समर्पित अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास लघु किसानों के लाभार्थ महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। इसके अलावा उन्होंने क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद राजस्थान में व्यापक रूप से उगाए जाने वाले बाजरा तथा ज्वार सहित श्री अन्न फसलों में अग्रणी अनुसंधान अभिकरण है, तथा इसके नेतृत्व में नया केंद्र पोषक तत्वों की खेती को अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएगा, तथा किसान अपनी खेती से अधिक उपज व लाभ प्राप्त कर सकेंगे। केंद्र को अपने अनुसंधान कार्यक्रमों में उच्च अनुकूलन तथा बेहतर अनाज गुणता वाली स्थानीय किस्मों का उपयोग करने की आवश्यकता है ताकि उन्नत किस्मों को स्थानीय किसानों और उपभोक्ताओं द्वारा आसानी से स्वीकार किया जा सके। केंद्र द्वारा विकसित उच्च उपज देने वाली किस्में और संकर किसानों को उच्च उपज प्राप्त करने में सहायता कर सकते हैं और इस तरह

किसान बाजरे की खेती से अधिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

अंत में डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के पश्चात समारोह का समापन हुआ। डॉ. तारा सत्यवती ने कहा कि क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र इस क्षेत्र की प्रमुख फसल बाजरे की खेती से संबंधित अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने, फसल लचीलेपन में सुधार एवं नवीन तकनीकों तथा प्रौद्योगिकियों के साथ किसानों को सशक्त बनाने के सरकार के व्यापक मिशन के अनुरूप है। यह शिलान्यास समारोह इन उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे बाड़मेर और समीपस्थ के कृषि समुदाय को लाभ होगा।

यह कार्यक्रम कृविकें, गुड़ामालानी, काजरी, जोधपुर, अभासबाअनुप, जोधपुर, और राज्य विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वय और आयोजन डॉ. डी बालकृष्ण, डॉ. विकास खंडेलवाल, डॉ. पी संजना रेड्डी, डॉ. महेश कुमार, डॉ. वी रवि कुमार, श्रीमती ऋतु दलाल (वरि.प्रशा.अधिकारी), मोहम्मद शेख रूक्मान, (वि.ले.अधिकारी,) भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने किया।

जलवायु अनुकूल कृषि पर जी 20 दल का तकनीकी भ्रमण

जी 20 देशों के कुल 35 कृषि वैज्ञानिकों तथा प्रतिनिधियों ने "जलवायु लचीली कृषि पर तकनीकी कार्यशाला" हेतु 05 सितंबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, कृअनुशि विभाग तथा महानिदेशक, भाकृअनुप ने जी 20 प्रतिनिधियों का नेतृत्व किया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

प्रारंभ में, डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती ने जी 20 दल को भाश्रीअनुसं की अनुसंधान प्राथमिकताओं और श्री अन्न फसल सुधार, मूल्य शृंखला एवं उद्यमिता विकास क्षेत्रों में संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रतिनिधियों को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में उपलब्ध सुविधाएं और श्री अन्न जननद्रव्य संरक्षित जीन संग्रह, श्री अन्न मूल्यवर्धन पर उत्कृष्टता केंद्र में मूल्य वर्धित उत्पाद, देश में श्री अन्न के मूल्यवर्धित उत्पादों, खाद्य प्रसंस्करण प्रयोगशालाओं और मशीनरी के विपणन व व्यावसायीकरण हेतु उद्यमियों को बढ़ावा प्रदान के लिए एकल खिड़की समाधान - पोषण केंद्र (न्यूट्रिहब) सहित बुनियादी ढांचे दिखाए गए। जी 20 कृषि वैज्ञानिकों के साथ भाश्रीअनुसं वैज्ञानिकों के परस्पर वार्ता सत्र के दौरान, निदेशक - भाश्रीअनुसं ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की उपलब्धियों और अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष के दौरान संचालित गतिविधियों एवं श्री अन्न अनुसंधान एवं विकास हेतु वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में भाश्रीअनुसं की भावी योजनाओं पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

"एन जी पी राव स्मारक व्याख्यान और आजीवन उपलब्धि पुरस्कार" समारोह

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने श्री अन्न अनुसंधान संस्था के सहयोग से 13 सितंबर, 2023 को भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर, हैदराबाद के सभागार में हाइब्रिड मोड में "एन जी पी राव मेमोरियल लेक्चर और एन जी पी राव लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड समारोह" द्विवार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया है।

इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद मुख्य अतिथि के रूप में थे तथा उन्होंने "एन जी पी राव स्मारक व्याख्यान" दिया।

डॉ. एन श्रीनिवास राव, निदेशक, राकृअनुप्रअ, हैदराबाद इस कार्यक्रम के अध्यक्ष थे। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती , निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने अतिथियों, अन्य गणमान्य व्यक्तियों तथा समारोह में उपस्थित अन्य सहभागियों का स्वागत किया और डॉ. एन जी पी राव के अनुसंधान योगदान के बारे में जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर प्रोफेसर रमेश चंद ने अपने व्याख्यान में श्री अन्न और उनके स्वास्थ्य लाभ पर प्रकाश डाला तथा उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को समर्थन देकर और श्री अन्न स्वास्थ्य लाभों को लोकप्रिय बनाकर, श्री अन्न को फिर से प्रकाश में लाने की तत्काल आवश्यकता है। अपने समापन संबोधन में डॉ. एन श्रीनिवास राव ने श्री अन्न उत्पादन, उत्पादकता और खपत में सुधार के लिए डॉ. रमेश चंद को उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए धन्यवाद दिया।

इस वर्ष श्री अन्न अनुसंधान के क्षेत्र में आजीवन योगदान की मान्यता प्रदान के लिए डॉ. निर्मलाकुमारी, भूतपूर्व लघु श्री अन्न प्रजनक, अथियांडाल, तमिलनाडु को "एन जी पी राव लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड" प्रदान किया गया। यह द्विवार्षिक पुरस्कार श्री अन्न अनुसंधान संस्था, हैदराबाद द्वारा एनजीपी राव फाउंडेशन और वैश्विक बीज कंपनी एडवांटा के सहयोग से स्थापित किया गया है, जिसमें एक प्रशस्ति पत्र और एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है। डॉ. बी वेंकटेश भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

श्री अन्न 2023 पर 21 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने " टिकाऊ खेती, मूल्य संवर्धन, उद्यमिता विकास और पोषण सुरक्षा के लिए मॉडल फसलों के रूप में श्री अन्न" पर 07 - 27 सितंबर, 2023 के दौरान 21 दिवसीय ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह पाठ्यक्रम श्री अन्न के सुधार, उत्पादन एवं लोक-प्रचार पर काम करने वाले भाकृअनुप के वैज्ञानिकों, कृविकें के विषय विशेषज्ञों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों, उद्यमियों, कृषि अधिकारियों और किउसं के सदस्यों के लिए तैयार किया गया तथा इस पाठ्यक्रम ने श्री अन्न फसलों के विभिन्न आयामों पर काम कर रहे छात्रों-शोधकर्ताओं-उद्यमियों को जोड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन 07 सितंबर, 2023 को आयोजित किया गया तथा डॉ. के बी आर एस विशारदा, प्रभारी निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने पाठ्यक्रम के बारे में प्रारंभिक टिप्पणी प्रस्तुत की। डॉ. इंद्र मणि (कुलपति, वसंतराव नायक मराठावाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. आर सी अग्रवाल, उप महानिदेशक (शिक्षा) भाकृअनुप, नई दिल्ली ने उद्घाटन भाषण दिया।

इस पाठ्यक्रम को पूरे भारत से लगभग 380 पंजीकरणों के साथ बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिसमें देश भर के 25 राज्यों विशेषकर उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कृाविवि, भाकृअनुप और गैर-भाकृअनुप संगठनों के प्रतिभागी शामिल थे। इस पाठ्यक्रम के दौरान विभिन्न संगठनों के वैज्ञानिकों द्वारा कुल 43 व्याख्यान दिए गए। अतिथि व्याख्यान डॉ. मनोज प्रसाद, राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, डॉ. मुथमिलारासन, हैदराबाद विश्वविद्यालय, डॉ पलक चतुर्वेदी, वियना विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया, डॉ. दंडपाणि राजू, डॉ. रंजीतकुमार और डॉ. एस पी सिंह, भाकृअनुसं, तथा डॉ. शोभना, एमडीआरएफ, चेन्नई से के द्वारा दिए गए। इस कार्यक्रम में प्रयोगशालाओं, श्री अन्न प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन जैसी भाश्रीअनुसं सुविधाओं का एक आभासी प्रदर्शन दौरा भी शामिल था; पौध विविधता संरक्षण और आनुवंशिक भंडार के पंजीकरण के लिए डिजिटल फील्ड बुक और प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। पाठ्यक्रम में कृषि प्रयोग के लिए सांख्यिकीय उपकरणों और श्री अन्न नवोद्यमों व उद्यमों की सफलता की कहानियों पर भी सत्र आयोजित किए गए।

यह पाठ्यक्रम स्व. डॉ. एम एलंगोवन (प्रधान वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं) की स्मृति में आयोजित किया गया था, जिन्होंने इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम की शुरुआत की थी। पाठ्यक्रम का आयोजन डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती पाठ्यक्रम प्रमुख निदेशक के मार्गदर्शन में डॉ. बी अमसिद्धु, डॉ. आर वेंकटेश्वर्लु, डॉ. एस श्रीविद्या, डॉ. वी एम मलाती, डॉ. जिनु जेकब, डॉ. संगप्पा, डॉ. आर स्वर्णा, डॉ. के वेंकटेश पाठ्यक्रम निदेशकों, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा किया गया। कृषि शास्त्र, महाराष्ट्र से श्री निखिल, सुश्री कोमल कुटे और श्री मनीष फेट ने पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में सेवाएं प्रदान की। इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन श्री अन्न अनुसंधान संस्था, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और कृषि शास्त्र, महाराष्ट्र के द्वारा किया गया।

"श्री अन्न पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएम)" हेतु पथ प्रदर्शन

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं-हैदराबाद में ओडिशा मिलेट्स मिशन के सहयोग से फिक्की के द्वारा 12 सितंबर 2023 को आयोजित "इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन मिलेट्स (आईसीओएम)" के लिए पथ प्रदर्शन का आयोजन किया गया। श्री प्रेम चंद्र चौधरी आईएएस, निदेशक, कृषि और खाद्य उत्पादन, ओडिशा, ने अपने दल के साथ इस पथ प्रदर्शन में भाग लिया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने समूह का स्वागत किया और संस्थान के श्री अन्न अनुसंधान और लोक-प्रचार गतिविधियों के बारे में जानकारी दी,

जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन, किसानों के लिए प्रौद्योगिकी प्रसार और उद्यमियों तथा नवोद्यमियों का क्षमता निर्माण, छात्रों, गृहणियों, स्वयं सहायता समूहों को श्री अन्न के पोषण संबंधी लाभ पर जागरूकता अभियान शामिल हैं। डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पोषण केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने दल को ज्ञानवर्धक दौरा कराया। इस पथ प्रदर्शन ने श्री अन्न के सभी हितधारकों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस पथ प्रदर्शन में कुल 60 लोग शामिल हुए। डॉ. संगप्पा और श्री श्रीनिवास बाबू ने इस पथ प्रदर्शन का आयोजन किया।

नाबार्ड अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने नाबार्ड के नेशनल बैंक स्टाफ कॉलेज, लखनऊ के सहयोग से देशभर के 28 नाबार्ड अधिकारियों हेतु 25-27 सितंबर 2023 के दौरान "श्री अन्न मूल्य शृंखला का वित्तपोषण" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संपूर्ण मूल्य शृंखला पर व्याख्यान सत्र और भाश्रीअनुसं में उपलब्ध प्रक्षेत्र और अन्य प्रसंस्करण संबंधी बुनियादी सुविधाओं का दौरा भी शामिल था। डॉ. राज भंडारी, सदस्य, पोषण पर राष्ट्रीय तकनीकी बोर्ड (एनटीबीएन) ने श्री अन्न के पोषण विवरण और स्वास्थ्य लाभों पर एक सत्र का संचालन किया। डॉ. बी वेंकटेश भट्ट, डॉ. जे स्टेनली, डॉ. संगप्पा, डॉ. स्वर्णा और भाश्रीअनुसं के अन्य वैज्ञानिकों के द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के व्याख्यान सत्र आयोजित किए गए। श्री आर आनंद, महाप्रबंधक, नाबार्ड, प्रधान कार्यालय और डॉ. सुदर्शन संबाशिवम, उप महाप्रबंधक एवं संकाय सदस्य, एनबीएससी ने कृषि-मूल्य-शृंखला के वित्तपोषण पर विशेष सत्र का संचालन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. वी रवि कुमार, डॉ. ए श्रीनिवास और श्री वीरेश एस वली, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा किया गया।

सीआरएस-सोलापुर में बीज भंडारण गोदाम का उद्घाटन

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 16 सितंबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र - रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र, सोलापुर, महाराष्ट्र में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन - श्री अन्न बीज केंद्र के अंतर्गत निर्मित बीज भंडारण गोदाम सुविधा का उद्घाटन किया है। निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा श्री शेख रूक्मान, वित्त एवं लेखा अधिकारी के साथ र.ज्वा.अनु.कें., सोलापुर का दौरा किया और वहां संचालित गतिविधियों की समीक्षा की। डॉ. बसवराज रायगोंड, वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रभारी अधिकारी ने प्रशासनिक और वित्तीय अभिलेख, व्यय विवरण, सिविल कार्यों तथा केंद्र में नियोजित अनुबंधित जनशक्ति के विवरण के साथ अनुसंधान और अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।, निदेशक ने खरीफ 2023 के दौरान प्रक्षेत्र में जारी अनुसंधान और अन्य परीक्षणों की प्रगति की समीक्षा की। तत्पश्चात, दल ने स्टाफ क्वार्टर की स्थिति का आकलन भी किया। दौरे के दौरान, निदेशक, वरि.प्रशा.अधिकारी तथा वि.ले.अधिकारी, भाश्रीअनुसं ने शेल्गी प्रक्षेत्र, सोलापुर में नारियल के पौधे भी लगाए।

किसानों के अधिकारों पर पहले वैश्विक परिसंवाद में भाश्रीअनुसं की सहिभागित

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 12-15 सितंबर 2023 के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय तथा पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली के माध्यम से आईटीपीजीआरएफए, एफएओ के द्वारा आयोजित किसानों के अधिकारों पर पहले वैश्विक परिसंवाद में भाग लिया। इस अवसर संस्थान द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्र किए गए श्री अन्न के स्वदेशी आनुवंशिक संसाधनों और भाश्रीअनुसं के अधिदेश के साथ मूल्यवर्धन को प्रदर्शित करते हुए एक श्री अन्न प्रदर्शनी स्टाल लगाया गया। भारत के माननीय राष्ट्रपति के द्वारा परिसंवाद व प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ आईटीपीजीआरएफए देशों के प्रतिभागियों ने स्टॉल का दौरा किया और

श्री अन्न तथा भाश्रीअनुसं की गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई। देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्लांट जीनोम सेवियर कम्युनिटी पुरस्कार विजेताओं ने वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की और अपने क्षेत्रों में श्री अन्न उगाने और उन्हें पुनर्जीवित करने में रुचि दर्शायी, जहां पहले श्री अन्न महत्वपूर्ण फसलें हुआ करती थीं । इस कार्यक्रम में भाश्रीअनुसं से डॉ. ए श्रीनिवास, डॉ. कर्णम वेंकटेश और डॉ. हरिप्रसन्ना के ने भाग लिया और भाश्रीअनुसं प्रदर्शनी स्टॉल का प्रबंधन किया।

संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति की बैठक

संस्थान में बौद्धिक संपदा प्रबंधन के संबंध में चर्चा हेतु 29 सितंबर, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (सप्रौप्रस) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डॉ. सी (श्रीमती) तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और अध्यक्ष सप्रौप्रस एवं सप्रौप्रस के बाह्य बौद्धिक संपदा विशेषज्ञ सदस्य डॉ. सुधीर सोम, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, डॉ. जे स्टेनली, वरिष्ठ वैज्ञानिक व नोडल अधिकारी सप्रौप्रस, भाश्रीअनुसं-हैदराबाद ने भाग लिया।

हिंदी चेतना मास समारोह

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 20 सितंबर, 2023 को भाकृअनुप गान से हिंदी चेतना मास समारोह का शुभारंभ किया गया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने माँ सरस्वती की वंदना तथा दीप प्रज्ज्वलित करके समारोह के शुभारंभ की घोषणा की। डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया। तत्पश्चात डॉ. तारा सत्यवती के द्वारा संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई गई। इस अवसर पर श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के द्वारा हिंदी दिवस पर जारी वीडियो संदेश का प्रदर्शन किया गया, तत्पश्चात श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं श्री शेख रूकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी ने क्रमशः श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संदेश एवं अपील का वाचन किया। उक्त हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा पूणे में आयोजित हिंदी दिवस एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में किया गया, जिसमें डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने संस्थान का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. महेश कुमार ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कहीं भी जाएं, अपने संबोधन हिंदी में ही देते हैं और परिणाम आज हमारे समक्ष - अमेरिकन प्रवक्ता के द्वारा हिंदी में उत्तर देने के रूप में प्रस्तुत है। उन्होंने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित किए जा रही विभिन्न प्रतियोगिताओं (आशुभाषण, टिप्पण एवं आलेखन, निबंध लेखन, हिंदी पाठ वाचन, त्वरित हिंदी वर्ण पहचान, गायन/अंत्याक्षरी, हिंदी में पोस्टर प्रस्तुतीकरण आदि) तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान के संबंध में सविस्तार जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर डॉ. सत्यवती ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भाषा में कार्य करने अथवा हस्ताक्षर करने पर अन्य भारतीय भाषाएं सुदृढ़ होंगी, न कि कमजोर। अतः हमें जातिवाद, क्षेत्रवाद आदि से ऊपर उठकर, भारतीयता को प्राथमिकता प्रदान करते हुए पूरे हर्षोल्लास के साथ राजभाषा हिंदी में कार्य करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने संस्थान के सभी वैज्ञानिकों से हिंदी चेतना मास के दौरान कम-से-कम एक लोकप्रिय लेख हिंदी में लिखने हेतु आग्रह किया और बताया कि यह हमारी एक अच्छी पहल सिद्ध होगी, जिससे राजभाषा हिंदी तथा श्री अन्न, दोनों को एक साथ प्रोत्साहन मिलेगा। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के बाद समारोह का समापन हुआ। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय तथा संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

किउसं हेतु श्री अन्न मूल्य शृंखला पर क्षेत्रीय सलाहकार समूह (क्षेसस) की बैठक

नाबार्ड आं.प्र. क्षेत्रीय कार्यालय ने भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के सहयोग से 14 सितंबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में आंध्र प्रदेश के किसान उत्पादक संगठनों के लिए श्री अन्न मूल्य शृंखला पर क्षेत्रीय सलाहकार समूह (क्षेसस) की बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता श्री एम आर गोपाल, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड आंध्र प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय ने की। इस अवसर पर डॉ. सी तारा

सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। बैठक में कृषि विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार, आएनजीरंकृविवि, एपीडा, एपीसीओबी, एनएबीकेआईएसएन, मैनेज, एआईडीईए-राकृअनुप्रअ के प्रतिनिधियों, किउसं के मु.का. अधिकारियों तथा अभिकरण के साझेदारों के अलावा नाबार्ड के अधिकारियों एवं भाश्रीअनुसं से के श्रीनिवास बाबू , डॉ. राजेंद्र आर चापके, डॉ. राजेश जी और डॉ. संगप्पा - वैज्ञानिकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान आंध्र प्रदेश में श्री अन्न मूल्य शृंखला को मजबूत करने के लिए आवश्यक नीति तैयार करने के लिए उचित प्रतिक्रिया प्राप्त करने हेतु श्री अन्न मूल्य शृंखला में किउसं के सामने आने वाली विभिन्न बाधाओं, श्री अन्न मूल्य शृंखला में किउसं के लिए व्यापार के अवसर, श्री अन्न किउसं के लिए निर्यात के अवसर, किउसं के वित्तपोषण पर चर्चा की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने महाराष्ट्र के किसानों के लिए 04-05 सितंबर 2023 के दौरान "श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन में उभरती प्रवृत्तियां" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन कृषि विभाग, महाराष्ट्र सरकार तथा समन्वय डॉ. ए श्रीनिवास, भाश्रीअनुसं के द्वारा किया गया।

सेवानिवृत्त

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के कर्मचारी मनोरंजन क्लब, ने चार कुशल सहायक कर्मचारियों (एसएसएस), **मो. हयात** , **श्रीमती अनसुया यादय्या** , **श्रीमती सलम्मा नरसिंह** और **श्रीमती लक्ष्मी पद्मय्या** के लिए 29 सितंबर, 2023 को विदाई समारोह का आयोजन किया। उक्त कर्मचारियों ने संस्थान को लगभग 35 वर्षों तक अपन सेवाएँ प्रदान की। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं और अध्यक्ष, कर्मचारी मनोरंजन क्लब ने शॉल और स्मृतिचिह्न से उन्हें सम्मानित किया। सभी कर्मचारियों ने उनके द्वारा संस्थान को प्रदान सेवाओं को याद करते हुए सभी के सुखी एवं स्वस्थ सेवानिवृत्ति जीवन की कामना की। डॉ. बी अमसिद्ध, वैज्ञानिक एवं सचिव, कर्मचारी मनोरंजन क्लब ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

स्वामीनाथन शोक सभा

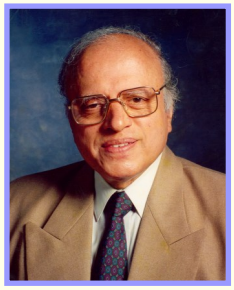

सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एवं हरित क्रांति के जनक डॉ. एम एस स्वामीनाथन का उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 98 वर्ष की आयु में 28 सितंबर, 2023 को निधन हो गया है। वह अंत तक किसान कल्याण और देश के गरीब किसानों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहे। स्वामीनाथन को कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान के कारण 1987 में प्रथम विश्व खाद्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें पद्म श्री (1967), पद्म भूषण (1972) और पद्म विभूषण (1989) से भी सम्मानित किया गया है। उन्हें 1971 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार और 1986 में अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार भी मिला। उन्हें टाइम पत्रिका द्वारा 20वीं सदी के 20 सबसे प्रभावशाली एशियाई लोगों में नामित किया गया था।

इस संदर्भ में भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 29 सितंबर, 2023 को एक शोक सभा आयोजित की गई। डॉ. (श्रीमती) तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने एक बहुमुखी व्यक्तित्व के रूप उनका स्मरण किया, जिनके कृषि अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अमूल्य योगदान ने महत्वपूर्ण बदलाव लाया। अन्य कार्मिकों ने भी राष्ट्र के प्रति उनके योगदान का स्मरण किया तथा उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया ।

व्याख्यान

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने बायोफैच इंडिया नूर्नबर्ग मेस्से इंडिया प्रा. लिमिटेड, जोर बाघ, नई दिल्ली में 7 सितंबर 2023 को में उद्घाटन भाषण दिया।

डॉ. पी राजेंद्रकुमार, प्रधान वैज्ञानिक (जैव प्रौद्योगिकी), भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 08 सितंबर 2023 को तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबतूर के पादप प्रजनन एवं आनुवंशिक केंद्र में आयोजित "श्री अन्न सुधार हेतु जीनोमिक्स कार्य-नीतियां" पर एक अतिथि

व्याख्यान दिया।

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 11 सितंबर, 2023 को एकेएस विश्वविद्यालय, सतना में "श्री अन्न की खेती, बीज उत्पादन, मूल्य वर्धन तथा विपणन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण" कार्यक्रम के ऑनलाइन उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन भाषण दिया।

डॉ. के बी आर एस विशारदा, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 11 सितंबर, 2023 को एकेएस विश्वविद्यालय, सतना में "श्री अन्न की खेती, बीज उत्पादन, मूल्य वर्धन तथा विपणन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण" कार्यक्रम में "श्री अन्न, खेती, खपत और व्यावसायीकरण" पर आधार व्याख्यान दिया।

डॉ. पी. राजेंद्रकुमार, प्रधान वैज्ञानिक (जैव प्रौद्योगिकी), भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 12 सितंबर 2023 को कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के द्वारा सेंटर फॉर सोरघम इम्प्रूवमेंट पर आयोजित संगोष्ठी में "खाद्य एवं जैव-ईंधन हेतु भारतीय ज्वार का डीएनए चिह्नक-सहायता प्राप्त सुधार" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. अनुराधा नरेला, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा 07 - 27 सितंबर, 2023 के दौरान "टिकाऊ खेती, मूल्य वर्धन, उद्यमिता विकास और पोषण सुरक्षा के लिए मॉडल फसलों के रूप में श्री अन्न" पर आयोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में, विषय विशेषज्ञ के रूप में 14 सितंबर 2023 को "श्री अन्न के आर्थिक परिदृश्य' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने एमपीआईसी, पीजी एंड आरसी, पीजेटीएसएयू, राजेंद्रनगर, हैदराबाद में 15 सितंबर 2023 को श्री अन्न हेतु सामान्य उष्मायन केंद्र के उद्घाटन में भाग लिया एवं उद्घाटन भाषण दिया।

डॉ . सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने हिंदू-बिजनेस लाइन और नाबार्ड के द्वारा 15 सितंबर 2023 को हैदराबाद में आयोजित श्री अन्न कॉन्क्लेव 2023 में अपने समापन भाषण में श्री अन्न किसानों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया।
डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक तथा मु.का.अधिकारी, पोषण केंद्र ने तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु में 16 सितंबर 2023 को "श्री अन्न के पोषण और न्यूट्रास्यूटिकल गुणों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" में भाग लिया और एक आधार व्याख्यान दिया।

डॉ. हरिप्रसन्ना के, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने बिशप हेबर कॉलेज (स्वायत्त), तिरुचिरापल्ली के द्वारा 22 सितंबर 2023 को 'श्री अन्न : अतीत, वर्तमान और भविष्य के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा का आधार' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "भारत में श्री अन्न : वर्तमान परिदृश्य और भावी मार्ग" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। सम्मेलन में 300 से अधिक स्नातकोत्तर छात्रों, अनुसंधान विद्वानों, शिक्षण संकाय, श्री अन्न प्रसंस्करण उद्योग के प्रतिनिधियों और कृषि और खाद्य उद्यमियों ने भाग लिया।

डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक तथा मु.का.अधिकारी, पोषण केंद्र ने अविनाशीलिंगम महिला विश्वविद्यालय, कोयंबतूर, तमिलनाडु में 26 सितंबर 2023 को पोषण माह महोत्सव 2023 में भाग लिया तथा "श्री अन्न युग में श्री अन्न के स्वास्थ्य लाभ और उद्यमिता" विषय पर आधार व्याख्यान दिया।

डॉ. के बी आर एस विशारदा, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 26 सितंबर, 2023 को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति -2 हैदराबाद की बैठक में सहभागियों को श्री अन्न के महत्व पर एक विशेष व्याख्यान दिया। इस बैठक में केंद्र सरकार के करीब 50 कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 26 सितंबर 2023 को जापान इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंसेस (जिर्कास), त्सुकुबा, इबाराकी, टोक्यो, जापान के द्वारा "पोषण, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी चुनौतियों का समाधान - श्री अन्न की क्षमताओं का संज्ञान" विषय पर आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में "वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की उपलब्धियां और अनुसंधान के केंद्र बिंदु" पर आधार व्याख्यान दिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने मैनेज, हैदराबाद में 26 सितंबर 2023 को "श्री अन्न संवर्धन में किउसं की भूमिका" विषय पर आयोजित वेबिनार में "किउसं के द्वारा श्री अन्न मूल्य शृंखला के वर्धन से बाजार संबंधों की स्थापना एवं श्री अन्न मूल्य वर्धित उत्पादों के विपणन में किउसं की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 26 सितंबर 2023 को मैनेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित "कृषि विभाग, ओडिशा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कृषि उद्यमिता विकास" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "श्री अन्न क्षेत्र में कृषि-उद्यमशीलता अवसर" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने आरपीसीएयू, पूसा, बिहार के द्वारा 26 सितंबर 2023 को "बदलती जलवायु परिस्थितियों में किउस के माध्यम से बिहार में श्री अन्न को बढ़ावा" पर आयोजित कार्यशाला के दौरान "सार्वजनिक निजी भागीदारी के

माध्यम से श्री अन्न के प्रचार में किउसं की भूमिका" पर एक आभासी व्याख्यान दिया।

डॉ. अनुराधा नरेला, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने 27 सितंबर, 2023 को स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, खाद्य विज्ञान तथा पोषण विभाग एवं स्कूल ऑफ क्रिएटिव साइंस, कैटरिंग साइंस और होटल मैनेजमेंट विभाग के द्वारा नेहरू कला और विज्ञान कॉलेज, कोयंबतूर, तमिलनाडु में "खाद्य सुरक्षा और कृषि स्थिरता के लिए श्री अन्न में बहुविषयक अनुसंधान" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में 'श्री अन्न परिदृश्य : खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए भावी फसलें' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बायोटेक्नोलॉजी विभाग, स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, सीएमएस कॉलेज, कोयंबतूर के छात्रों और शिक्षकों के लिए 29 सितंबर, 2023 को आभासी रूप में "श्री अन्न जैव प्रौद्योगिकी : स्थिति और संभावनाएं" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। उक्त कार्यक्रम में स्नातकोत्तर व पीएचडी के लगभग 50 छात्र और 10 संकाय सदस्य शामिल थे।

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 29 सितंबर 2023 को रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला, मैसूरु के द्वारा "सैन्य आहार एवं विशिष्ट पोषण संबंधी आवश्यकता हेतु श्री अन्न" विषय पर आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र-I के दौरान "श्री अन्न के पोषण और स्वास्थ्य लाभ" पर एक तकनीकी वार्ता दी।

किउसं समाचार

क्षेत्रीय सलाहकार समूह की बैठक

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में नाबार्ड ने 14 सितंबर, 2023 को "आंध्र प्रदेश के किसान उत्पादक संगठन के लिए श्री अन्न मूल्य शृंखला" विषय पर क्षेत्रीय सलाहकार समूह (आरएजी) की बैठक आयोजित की। बैठक में श्री अन्न आधारित किउसं, सीबीबीओ और इससे जुड़े पीओपीआई ने भाग लिया। डॉ. सी तारा सत्यवती (निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद), श्री एम आर गोपाल (सीजीएम, नाबार्ड, एपी आरओ), डॉ. के वी एस प्रसाद (जीएम, नाबार्ड एपी आरओ), श्रीमती प्रियंका सिंह (सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड, एपी आरओ) तथा नाबार्ड के अधिकारियों ने इस बैठक में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती ने किया। बैठक के एक भाग के रूप में श्री अन्न में नवीनतम विकास, श्री अन्न में राज्य सरकार की पहल, श्री अन्न में व्यापार के अवसर, निर्यात/आयात, किउसं के क्रेडिट लिंकेज, श्री अन्न किउसं किसानों के सामने आने वाली बाधाओं पर चर्चा की गई। डॉ. जी राजेश, डॉ. श्रीनिवास बाबू तथा डॉ. संगप्पा ने सफलतापूर्वक इस बैठक का आयोजन किया।

मध्य प्रदेश के किसानों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने मध्य प्रदेश के किसानों के लिए 4 - 6 सितंबर, 2023 के दौरान श्री अन्न की खेती, उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पहलुओं पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस गहन प्रशिक्षण में आत्मा समिति, बालाघाट, मध्य प्रदेश के 25 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, डॉ. वेंकटेश्वरलु रोंडा (वरिष्ठ वैज्ञानिक), ई. हेमशंकरी, (वैज्ञानिक), डॉ. संगप्पा (वैज्ञानिक), डॉ. अनिला कुमारी (सहायक प्रोफेसर) और डॉ. रफी (अनुसंधान सहयोगी) ने श्री अन्न के पोषण मूल्य, श्री अन्न में प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण तकनीकों, ओएनडीसी के माध्यम से बाजार संपर्क, श्री अन्न प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से जुड़ी योजनाओं और श्री अन्न की खेती पर विस्तृत ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

एनसीडीसी किउसं-सीबीबीओ समीक्षा बैठक

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 7 सितंबर 2023 को भाकृअनुप-अटारी हैदराबाद के पैनल विशेषज्ञों के साथ एनसीडीसी - सीबीबीओ द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में येल्दुर्थी और टेकमल किउसं की प्रगति प्रस्तुत की।

प्रबंधक दक्षिण प्रमुख, एसबीआई (एबीयू) का दौरा

श्रीमती करुणाश्री, प्रबंधक दक्षिण प्रमुख, एसबीआई (एबीयू) ने 8 सितंबर 2023 को किउसं-नेस्ट, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं इकाई का दौरा किया और भाश्रीअनुसं के द्वारा प्रवर्तित किउसं के लिए सहायक - क्रेडिट लिंकेज और योजनाओं (पीएमएफएमई, एआईएफ) के बारे में चर्चा की। डॉ. के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा और किउसं नेस्ट दल ने योजना अभिसरण, आर्थिक सहायता और ब्याज छूट आदि के संबंध में एसबीआई दल के साथ चर्चा की।

भूतपूर्व सैन्य अधिकारियों का दौरा

मैनेज, हैदराबाद के प्रतिनिधियों के साथ कुल 50 भूतपूर्व सैन्य अधिकारियों ने श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में विभिन्न अवसरों का पता लगाने हेतु "जय जवान जय किसान" कार्यक्रम के एक भाग के रूप में 8 सितंबर, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

जी 20 शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा केंद्रीय क्षेत्र योजना के माध्यम से कलबुर्गी ज़िले के अलंद ब्लॉक में अलंद भूतई मिलेट्स फार्मर

प्रोड्यूसर कंपनी की स्थापना की गई। कंपनी ने नई दिल्ली में 9 और 10 सितंबर, 2023 को आयोजित जी 20 कार्यक्रमों में अपने किउसं के उत्पाद प्रदर्शित किए, जो कर्नाटक राज्य के साथ-साथ महिला किसानों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित लम्बासिंगी जनजातीय एफपीसीएल की महिला किसानों ने 10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में आयोजित जी 20 कार्यक्रम में अपने जैविक रूप से उगाए गए श्री अन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया।

तमिलनाडु के किसानों का दौरा

आत्मा, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु के लगभग 20 किसानों ने 11 सितंबर, 2023 को ज्ञानवर्धक यात्रा के एक भाग के रूप में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरे ने किसानों में श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण तकनीकों और प्रभावी विपणन नीतियों के बारे में जागरूकता पैदा की।

आगंतुक

एफएओ दल

एफएओ नेपाल, नेपाल सरकार और नामीबिया सरकार के प्रतिनिधियों के एक उच्च स्तरीय दल ने 12 सितंबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं-हैदराबाद का दौरा किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने उनके साथ विचार विमर्श किया तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं एवं श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र पर प्रस्तुति दी।

गणमान्य आगंतुक

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए), पूर्व सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप, डॉ. सी. विश्वनाथन, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), भाकृअनुसं तथा डॉ. आर एम सुंदरम, निदेशक, भाकृअनुप-भाचाअनुसं ने 2 सितंबर 2023 को भाश्रीअनुसं और पोषण केंद्र का दौरा किया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और डॉ. बी दयाकर राव, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पोषण केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने गणमान्य आकंतुकों को उत्कृष्टता केंद्र, पोषण केंद्र एवं सामान्य सुविधा केंद्र जैसी सभी सुविधाओं का विस्तृत सनिर्देशित दौरा कराया।

डॉ. ए के सिंह, निदेशक, भाकृअनुसं, नई दिल्ली ने 3 सितंबर, 2023 को भाश्रीअनुसं और पोषण केंद्र का दौरा किया। उन्होंने श्री अन्न के खेतों, सामान्य सुविधा केंद्र, पोषण केंद्र और श्री अन्न मूल्य संवर्धन व प्रसंस्करण पर उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया।

सुश्री अलका अरोड़ा, अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार (डेयर - भाकृअनुप) ने 4 सितंबर, 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, श्रीमती ऋतु दलाल, वरि.प्रशा.अधिकारी, श्री शेख रूक्मान, वि.ले.अधिकारी चर्चा के दौरान उपस्थित थे। उन्होंने उत्कृष्टता केंद्र, पोषण केंद्र जैसी सभी सुविधाओं का दौरा किया ।

डॉ. शॉन रयान कैस्टेलिनो, कॉर्पोरेट रणनीति और व्यवसाय विकास प्रमुख, ओमान फ्लोर मिल्स एसएओजी (समूह), ओमान ने 19 सितंबर 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने उनके साथ विचार विमर्श किया तथा अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष के आलोक में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की अनुसंधान में संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

छात्र

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर कृषि महाविद्यालय, जामखेड, जिला, अहमदनगर, महाराष्ट्र से 6 सितंबर 2023 को 62 कृषि छात्र।

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम संस्थान के माध्यम से 14 सितंबर 2023 को तेलंगाना और ओडिशा के 25 छात्र।

बी ए कृषि महाविद्यालय, आनंद कृषि विश्वविद्यालय (एएयू), गुजरात के विभिन्न विभागों से 15 सितंबर, 2023 को 95 छात्र (विज्ञान स्नातकोत्तर एवं पीएचडी)। इन छात्रों ने 18 सितंबर, 2023 को रबी ज्वार अनुंधान केंद्र, भाश्रीअनुसं, सोलापुर, महाराष्ट्र का भी दौरा किया।

एमआईटी विश्वशांति गुरुकुल स्कूल, सोलापुर से 21 सितंबर 2023 को 400 से ज्यादा छात्रों का र.ज्वा.अनु.कें., भाश्रीअनुसं-सोलापुर, महाराष्ट्र का दौरा।

आत्मा के माध्यम से गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कृष्णागिरी, तमिलनाडु से 22 सितंबर 2023 को 36 छात्र।

वालचंद कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, सोलापुर से 22 सितंबर 2023 को स्नातक, जैव-प्रौद्योगिकी के 73 छात्रों का र.ज्वा.अनु.कें., भाश्रीअनुसं -सोलापुर, महाराष्ट्र का दौरा।

किसान

श्री अन्न क्षेत्र में श्री अन्न मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकियों और व्यापार के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु तमिलनाडु के 20 किसानों ने 12 सितंबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस दौरे को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण(आत्मा), हैदराबाद द्वारा सुकर बनाया गया।

तमिलनाडु के विभिन्न जिलों के 22 किसानों ने श्री अन्न क्षेत्र में व्यापार के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए 26 सितंबर 2023 को अंतर-राज्य ज्ञानवर्धक यात्रा के एक भाग के रूप में पोषण केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस यात्रा को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण(आत्मा), हैदराबाद द्वारा सुकर बनाया गया।

प्रशिक्षार्थी

"जय जवान जय किसान" प्रशिक्षण कार्यक्रम के 41 सहभागियों ने श्री अन्न क्षेत्र में व्यवसाय के अवसरों के बारे में जानने के लिए 08 सितंबर 2023 को पोषण केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया । इस यात्रा को मैनेज द्वारा सुगम बनाया गया।

मैनेज के 18 श्री अन्न उद्यमी प्रशिक्षार्थियों ने नवीनतम श्री अन्न प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु 26 सितंबर 2023 को पोषण केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया।

राकृअनुप्रअ, हैदराबाद में प्रशिक्षणरत चार कृषि विश्वविद्यालयों के 15 संकाय सदस्यों ने 29 सितंबर, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जे स्टेनली ने उन्हें अनुसंधान गतिविधियों के बारे में बताया तथा उन्होंने उत्कृष्टता केंद्र एवं अन्य सुविधाओं तथा पोषण केंद्र का दौरा किया।

एनआईएमएसएमई के 21 प्रशिक्षार्थियों ने श्री अन्न के क्षेत्र में व्यापार के अवसरों के बारे में जानने हेतु 29 सितंबर, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस दौरे को राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (एनआईएमएसएमई), हैदराबाद, तेलंगाना के द्वारा सुकर बनाया गया।

श्री अन्न स्टाल

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 4-6 सितंबर 2023 के दौरान नोवोटेल, हैदराबाद में आयोजित जी 20 तकनीकी कार्यशाला के दौरान श्री अन्न प्रदर्शन स्टाल लगाया तथा भाश्रीअनुसं के सभी मूल्य वर्धित श्री अन्न स्वास्थ्य खाद्य उत्पादों और वाणिज्यिक प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। जी 20 प्रतिनिधियों ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं स्टॉल का दौरा किया। डॉ. संगप्पा ने दर्शकों को श्री अन्न के महत्व और वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में भाश्रीअनुसं की भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान की।

भाकृअनुप कॉन्वेंशन सेंटर, एनएएससी संकुल तथा पौ.कि.कृ.अ.सं. प्राधिकरण, नई दिल्ली में 12-14 सितबर, 2023 के दौरान कृषक अधिकारों पर आयोजित वैश्विक परिसंवाद में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने देशी श्री अन्न आनुवंशिक संसाधनों एवं मूल्य वर्धित उत्पादों के प्रदर्शन हेतु एक स्टाल लगाया। विदेशी प्रतिनिधियों, किसानों, शोधकर्ताओं, सरकारी अधिकारियों, छात्रों, उद्योग प्रतिनिधियों सहित 5000 से ज्यादा लोगों ने इस स्टाल का अवलोकन किया। डॉ. कर्णम वेंकटेश, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने उक्त स्टॉल का संयोजन किया।

समझौता ज्ञापन

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने श्री अन्न पर सहयोगात्मक अनुसंधान एवं प्रचारार्थ सर्वश्री जीएसए विजन एशिया, चेन्नई के साथ एक समझौते ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

भाश्रीअनुसं की ओर से डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद तथा जीएसए विजन एशिया, चेन्नई की ओर से प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री विजय जी प्रभाकर ने 11 सितंबर, 2023 को भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक - डॉ. पी संजना, सुश्री हेमशंकरी तथा डॉ. जे स्टेनली की उपस्थिति में समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	कार्यक्रम विवरण	प्रकार	आयोजक	तिथि
1.	सी तारा सत्यवती तथा सी संगप्पा	भाकृअनुप-केंबाकृअनुसं, हैदराबाद के द्वारा जलवायु लचीली कृषि पर जी 20 तकनीकी कार्यशाला	तकनीकी कार्यशाला	नोवोटेल, हैदराबाद	4 सितंबर, 2023
2	सी तारा सत्यवती	मूल्य वर्धित श्री अन्न व्यंजनों के पोषण संबंधी प्रोफाइलिंग व प्रमाणीकरण पर प्रारंभिक चर्चा हेतु बैठक	आभासी बैठक	ओडिशा मिलेट मिशन, ओडिशा सरकार	8 सितंबर, 2023
3	सी तारा सत्यवती	दिल्ली में जी 20 लीडर्स समिट स्पाउस कार्यक्रम	जी 20 कार्यक्रम	नई दिल्ली	9 सितंबर, 2023
4	सी तारा सत्यवती	"श्री अन्न की खेती, बीज उत्पादन, मूल्य संवर्धन और विपणन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण" का उद्घाटन समारोह	ऑनलाइन प्रशिक्षण	ए के एस विश्वविद्यालय, सतना	11 सितंबर, 2023
5	सी संगप्पा	जैन विश्वविद्यालय, बैंगलोर तथा भाकृअनुप-अटारी द्वारा "मिलिकॉन-2023, श्री अन्न पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	जैन विश्वविद्यालय, बैंगलोर	12-13 सितंबर, 2023
6	सी तारा सत्यवती	कृषि मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता में जी 20 चर्चा	ऑनलाइन बैठक	कृ.कि.क.विभाग, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली	14 सितंबर, 2023
7	महेश कुमार	हिंदी दिवस और दो दिवसीय तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन	सम्मेलन	छत्रपति शिवाजी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी, पुणे	14 -15 सितंबर, 2023
8	के बी आर एस विशारदा	विश्व खाद्य भारत, हैदराबाद	बैठक	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद	15 सितंबर, 2023
9	सी तारा सत्यवती और वी रवि कुमार	हैदराबाद मुक्ति दिवस 2023 महोत्सव	उत्सव	संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, हैदराबाद	17 सितंबर, 2023
10	सी तारा सत्यवती	श्री अन्न पर वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना, महर्षि तथा बाड़मेर में बाजरे पर क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के शिलान्यास कार्यक्रम पर चर्चा के लिए भाकृअनुप के महानिदेशक के साथ बैठक	ऑनलाइन बैठक	भाकृअनुप, नई दिल्ली	19 सितंबर, 2023
11	के बी आर एस विशारदा, एच एस गावली तथा महेश कुमार	राग्राविपंरासं, हैदराबाद द्वारा आयोजित नराकास-2 हैदराबाद की बैठक	बैठक	सी एस डी, हैदराबाद	26 सितंबर, 2023
12	सी तारा सत्यवती, डी बालकृष्ण, पी संजना रेड्डी, ए श्रीनिवास, ऋतु दलाल और शेख रूक्मान	भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का बाजरे पर क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास समारोह	शिलान्यास समारोह	गुड़ामालानी, बाड़मेर	27 सितंबर, 2023

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. के वी राघवेन्द्र राव, डॉ. जिनू जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक,
भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

मुख्यालय - राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053
दूरभाष : 040-24599300
फैक्स : 040-24599304 ई-मेल : mil-lets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

रबी ज्वार केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला, वरंगल
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस (पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल